

पुलोक की बेटी सहारा चुद गई-2

'देशमुख तभी मेरे शैतानी दिमाग ने एक योजना बनाई, मैंने फट से अपने हाथ सहारा खातून की गांड के साइड में रख दिए, मैं बोला- अरे ऊपर कहाँ चढ़ी हैं आप ? कहीं गिर विर ना जाएँ ! "देशमुख जी, हमारा तो रोज का है यह सब, कहीं पर भी चढ़ना

उतरना पड़ता है।" [...] ...

Story By: guruji (guruji)

Posted: Thursday, January 23rd, 2014

Categories: कोई मिल गया

Online version: पुलोक की बेटी सहारा चुद गई-2

पुलोक की बेटी सहारा चुद गई-2

प्रेषक: देशमुख

तभी मेरे शैतानी दिमाग ने एक योजना बनाई, मैंने फट से अपने हाथ सहारा खातून की गांड के साइड में रख दिए, मैं बोला- अरे ऊपर कहाँ चढ़ी हैं आप ? कहीं गिर विर ना जाएँ !

"देशमुख जी, हमारा तो रोज का है यह सब, कहीं पर भी चढ़ना उतरना पड़ता है।" सहारा खातून हंस कर बोली।

"सही है, ढाका में हम भी बहुत चढ़-उतर करते थे लेकिन रंगपुर अभी नया हैं ना हमारे लिए।" मैंने उसी बात को दोहरे मीनिंग में कह दिया और मेरे हाथ अभी भी सहारा के चूतड़ों पर ही थे।

सहारा खातून हंस कर बोली- कोई बात नहीं, आप यह कमरा ले लो, चढ़ने-उतरने का सिलसिला चालू हो जायेगा।

उसकी बात में भी पॉइंट था।

मैंने कहा- ऐसी बात है तो मैं अभी चेक कर लेता हूँ।

बिना कुर्सी के बारे में ख्याल किये मैं भी उसके ऊपर आ गया और टंकी में झाँकने लगा। मेरा चुदाई के नशे में चूर लंड फिर से सहारा खातून की गांड पर था। सहारा खातून आगे की ओर झुकी हमारे बीच में गैप बनाने के लिए। लेकिन मैं भी आगे बढ़ा और गांड और लंड के बीच की दूरी को खत्म कर दिया। सहारा खातून की साँसें बढ़ रही थी जिसका अंदाजा मुझे उस सुनसान कमरे के बाथरूम में आराम से हो गया। बिना कोई पल गंवाए मैंने अपने हाथ उसकी गांड से हटा के उसके चूचों पर रख दिए और कहा- सच में कमरा भी सही है और कमरा दिखाने वाली भी!

सहारा खातून ने थोड़ी एक्टिंग की और वही पुराना डायलोग मारा- देशमुख जी कोई आ गया तो ?

मैंने उसके भारी चूचों को मसलते हुए कहा- अरे, कोई नहीं आयेगा सहारा खातून जी, हम दरवाजा अंदर से बंद कर लेंगे।

मेरा लंड उसकी गांड को छू रहा था और उसके अंदर चूत में जाने की अजब उतावली लगी हुई थी। मैंने सहारा खातून के ब्लाउज के ऊपर के खुले हुए भाग में अपना हाथ डाला और उसके उरोजों को सीधा स्पर्श करने लगा। सहारा खातून ने अपना सीधा हाथ पीछे किया और मेरे लंड को पकड़ा। मेरा लंड तो कब से तैयार ही था, सहारा खातून के छूते ही जैसे उसके ऊपर बिजली आ गिरी थी।

मैंने सोचा कि अगर कुर्सी पे थोड़ी मस्ती और की तो उसके चारों के चार पैर टूट जायेंगे। यह सोच कर मैं नीचे उतरा और सहारा खातून को भी नीचे उतार दिया। मैंने उसे बाथरूम के फव्वारे की पाइप पकड़ कर उल्टा खड़ा किया और मैंने उसकी साड़ी को उतारना चालू कर दिया।

जैसे ही उसकी साड़ी दूर हुई, मुझे उसकी नीले रंग की ब्लाउज और वही रंग की पेटीकोट नजर आई। मैंने ब्लाउज के बटन आगे हाथ डाल के खोल डाले और उसे साइड में टांग दिया। सहारा ने खुद अपने हाथों से पेटीकोट का नाड़ा खोला और उसे उतार फेंका।

सहारा अब मेरे सामने सस्ती ब्रा और पेंटी में थी। मेरा मन तो किया कि उसे वहीं पर दबोच

कर उसे तुरंत चोद दूँ लेकिन बहुत दिन के बाद ऐसा बड़ा शिकार हाथ आया था इसलिए मैंने सोचा कि थोड़ा आराम से करते हैं।

सहारा आहें भर रही थी और उसकी साँसें और भी तेज होने लगी थी। मैंने अपनी पतलून और शर्ट को उतारा और वही बाथरूम के हेंगर में टांग दिया। मैंने अब धीरे से पेंटी को गांड के ऊपर से उतारना चालू किया और मुझे सहारा खातून की चूत और गांड के ऊपर के बाल नजर आने लगे। बड़ा ही कामुक कर देनेवाला नज़ारा था वो तो!

सहारा खातून ने अपने बड़े चूतड़ों को पीछे किया ताकि मैं उसकी कच्छी आराम से उतार सकूँ। मैंने चड्डी हटा दी और फिर मेरे हाथ उसकी ब्रा पर चले गए, ब्रा उतारने से पहले मैंने उसकी बड़ी बड़ी चूचियों में अपने हाथ डाल दिए, उसकी चूचियाँ और एक बार मसलनी चालू कर दी!

सहारा खातून अपनी बड़ी गांड को पीछे कर के खड़ी थी और मेरा लंड उसे बड़े मजे से छू रहा था। अब मैंने अपने एक हाथ को उसके चूचे पर रखा और दूसरे हाथ को उसकी बालों वाली चूत के ऊपर ले गया। मैंने अपनी दूसरी लंबी उंगली को उसके चूत के छेद पर मसलना चालू किया और सहारा खातून को जैसे करंट लग रहा हो, वैसे वो हिलने लगी।

मैंने अपन उंगली को चूत के अंदर डाल दिया और अंदर उसे सहलाने लगा। सहारा खातून की साँसें बढ़ती ही जा रही थी और वो बड़ी मचल रही थी। उसने अपने हाथ मेरे माथे पर रखा और वो मुझे अपने और भी करीब खींचने लगी। मैं समझ गया कि उसकी चूत में सही खुजली मच चुकी है जिसे मिटाना अब मेरा कर्तव्य बन चुका है।

मैंने सहारा खातून को कंधे से पकड़ कर नीचे बिठा दिया और अपने फनफना रहे लंड को उसके मुँह के आगे रख दिया। सहारा ने एक पल भी नहीं गँवाया और अपने लबों को खोल दिया। मैंने उसकी चोटी को अपने हाथ में लिया और लौड़े को सीधा उसके मुख में रख

दिया। सहारा ने जैसे ही अपने होंठों को मेरे लण्ड पर फ़िसलाया, मुझे सुख की एक जबरदस्त लहर का अहसास पूरे बदन में हुआ।

क्या जबरदस्त अहसास था वो !हल्की हल्की गर्मी जब पूरे लंड में आती है तो अलग सा सरूर आ जाता है बदन में !

सहारा ने मेरे टट्टे अपने हाथ में लिए और वो उन्हें धीरे धीरे दबाने लगी। वाह, क्या मजा था उस वक्त !वो लंड को मुँह में पूरा भर के बैठी थी और गोलियों को सहला रही थी। मैं जैसे स्वर्ग के झूलों में झूल रहा था और सहारा खातून मेरा ख़याल रखने वाली अप्सरा थी। सहारा खातून जैसे मावा मलाई वाली कुल्फी मुँह में ले रही थी, वो मेरे लण्ड को बाहर निकालने के मूड में ही नहीं थी। मेरे मन के मोर जोर जोर से कूद रहे थे। मैंने मन ही मन कहा कि देशमुख जी, आपके लंड की एक दीवानी आपको मिल ही गई है।

सहारा खातून ने तभी मेरे लंड को अपने मुँह से बाहर निकाला। मुझे लगा कि शायद वो मुझे अपनी चूत में लंड घुसाने के लिए कहेगी। या फिर उसकी इच्छा अपनी बड़ी गांड के अंदर लेने की भी हो सकती थी। मैंने कुछ औरतों को ऐसे भी देखा था जो सिर्फ पीछे यानि की अपनी गांड में ही लेना चाहती हैं। ऐसा कुछ औरतें इसलिए करती हैं कि कहीं पेट ना फूल जाए। और कुछ लड़कियों और औरतों को तो गांड मरवाने में ही बड़ा मजा आता है।

लेकिन सहारा खातून ने मुझे ना आगे देने के लिए कहा, ना उसने अपनी बड़ी गांड में मेरा डण्डा लेने की इच्छा जताई। मेरे आनन्द की कोई सीमा ही नहीं थी जब उसने मेरे टट्टे अपने मुँह में भर लिए। उसने मेरे लवड़े को हाथ में पकड़ कर ऊपर कर दिया और नीचे अपने होंठों को मेरे टट्टों के ऊपर चलाने लगी।

सहारा के मुँह में मेरे टट्टे सही तरह फिट बैठ गए थे और वो उन्हें बड़े ही प्यार से चाट रही थी। किसी सपनों की दुनिया के जैसा नजारा था यह तो। कहाँ कुछ देर पहले हम दोनों अनजान थे और अभी वो मेरे लौड़े को और गोलियों को ऐसे चूस रही हो जैसे हमारा चुदाई का रिश्ता बहुत ही पुराना हो। मेरे तन बदन में उसकी चुदाई कर देने की भावना बसी हुई थी। सहारा खातून अभी भी मेरे टट्टों को अपनी जबान से चाट रही थी। सच में ऐसा करवाने का मौका आज से पहले कभी नहीं मिला था, इसलिए मुझे वो अनुभव और भी मजेदार लग रहा था।

सहारा खातून ने पांच मिनट और इस तरह ही मजे दिए और फिर मुझ से बर्दाश्त नहीं हो सका, मुझे लगा कि अगर यह बड़ी गांड वाली एस्टेट एजेंट मेरे लंड को और जरा भी चूसेगी तो वीर्य की नदी बह उठेगी। मैंने अपने लंड को और गेंदों को उसके मुँह के सामने से दूर किया।

सहारा खातून अब खड़ी हुई और उसका इरादा भी अपनी चूत मरवा लेने का ही लग रहा था। मैंने फिर से उसके स्तन मसले और उससे पूछा- कहाँ चुदना है आपको ? बाथरूम में या बेडरूम में...?

मेरा ऐसा करने का मकसद यह था कि मेरे लंड की उत्तेजना कुछ हद तक कम हो जाए।
सहारा खातून ने मेरे लंड को अपने हाथ में पकड़ा और वो मेरे आगे आगे चलने लगी।
उसने मुँह से जवाब नहीं दिया लेकिन वो मुझे बेडरूम की ओर ले गई। अब यह कमरा तो
अभी बिल्कुल खाली था। उसमे बेड तो था लेकिन उसके ऊपर गद्दा या चादर कुछ नहीं
था। सहारा खातून मेरे आगे अपनी बड़ी नंगी गांड दिखा कर चलती रही और मैं बेड पे
डालने का सामान देख रहा था। तभी मेरी नजर एक पुराने अखबार के ऊपर पड़ी। मैंने उसे
हाथ में लिया तािक मैं उसे बेड पर बिछा सकूँ। सहारा खातून ने अब मेरे लंड को छोड़ा
और मैंने अखबार को बेड के ऊपर डाल दिया। मैंने अखबार के पन्नों को बेड पर फैला दिया
जैसे कि उसके ऊपर अखबार की चादर बिछाई हो।

सहारा खातून अपनी बड़ी गांड उठा कर उस पर चढ़ गई और वो मेरे तरफ मुँह करके लेट

गई। मुझे उसके हल्के बालों वाली चूत के मस्त दर्शन हो रहे थे। मैंने अपना हाथ आगे बढ़ा के उसकी चूत को थोड़ा सहलाया और फिर चूत के छेद में उंगली की। सहारा खातून ने हलकी सी सिसकारी ली। उसकी चूत पानी छोड़ चुकी थी और उसे अब बस अपने अंदर लंड का पानी लेना था।

मैं भी पलंग के ऊपर आ गया और सहारा की दोनों टांगों के बीच में बैठ गया। सहारा खातून की टांगों को फैलाते ही मुझे उसकी मस्त चूत दिखाई दी।

इस सेक्सी औरत से भी अब रुका नहीं गया। उसने मेरे लंड को पकड़ के अपने चूत के मुख के आगे रख दिया। अब ऐसी स्थिति में तो मुझे सिर्फ एक धक्का ही लगाना था। मैंने सहारा खातून की कमर के ऊपर हाथ रखा और एक जोर का झटका दे दिया। लंड चूत की गहराई में जाकर बैठ गया। उसकी चूत की मस्त गर्मी मेरे लंड को बहला रही थी। लंड के अंदर जाते ही खातून ने जोर से सिसकारी ली और वो मेरे गले से लिपट गई।

मैंने भी अपने हाथ उसके विशाल कूल्हों के ऊपर रख दिए और उसे अपनी तरफ खींच लिया। मेरा लंड चूत की तह तक घुस चुका था और सहारा खातून हल्के हल्के से अपने बड़े चूतड़ को हिलाने का प्रयत्न कर रही थी। उसके गांड हिलाते ही मेरा लंड उसकी चूत में अंदर बाहर होने लगा। मैंने अपने हाथ उसके कूल्हों पर ही रहने दिए और मैं भी अपनी जांघों को हिलाने लगा। सहारा खातून की स्पीड धीरे धीरे बढ़ने लगी और अब तो वो बहुत जोर जोर से अपनी गांड को झटके देने लगी।

सहारा खातून के बड़े चूतड़ों के ऊपर हाथ दबा कर मैं भी अपने लंड की अंदर तक डाल रहा था और फिर एक ही झटके में उसे बाहर निकाल रहा था। मेरा लंड सुपारे तक बाहर आ रहा था जिसे मैं फिर से सहारा खातून की चूत के अंदर डाल देता था। सहारा खातून अपनी बड़ी गांड को वही गित से हिला हिला कर मुझे मजे दिए जा रही थी और मैं उसे और भी जोर जोर से चुदाई के झटके दिए जा रहा था। सहारा खातून की चूत से झाग निकल रहा था और वो मेरे बाहर आते हुए लंड के ऊपर साफ़ देखा जा सकता था। मैंने सहारा खातून के चुच्चे पकड़े और अपने लंड के बड़े बड़े झटके देते जा रहा था। सहारा खातून भी पूरी मस्ती में आ गई थी और वो भी हिल हिल के मजे ले दे रही थी।

मैंने अब अपने लंड को बाहर निकाला और सहारा खातून की बड़ी गाण्ड के अंदर उसे डालना चाहा। लेकिन वो फट से हट गई और बोली- नहीं नहीं देशमुख जी पीछे नहीं! मेरा गूँ निकल जायेगा लंड डाला तो!

मैं हंस पड़ा कि साला लंड डालने से भी गूँ निकलता है क्या !मैंने कहा- चलो छोड़ो, कौन उलझन में पड़ेगा, मुफ्त की चूत मिल रही है, ले लेते हैं।

मैंने अपने लंड को फिर से चूत में डाला और अपने झटके चालू रखे। सहारा खातून अब अपने विशाल चूतड़ों को और भी जोर जोर से हिला कर मुझे मजे दे रही थी। सहारा खातून की चूत और मेरा लंड दोनों ही थक चुके थे। मैंने अपने झटकों की तेजी और भी बढ़ा दी और सहारा खातून के मुँह से आह... आह... हाआ...आ... आहहह ... हह... निकल पड़ा।

मैंने उसके बाल पकड़ लिए और एक झटका उसकी चूत में दिया। मेरे लंड से वीर्य निकल के उसकी झांटों वाली चूत को भिगोने लगा। सहारा खातून ने अपनी चूत को कस कर मलाई अंदर ही ले ली। मैं थक गया था तो उसके उपर ही लेट गया।

5 मिनट के बाद हम लोग कपड़े पहन चुके थे। मैंने सहारा खातून को कह दिया- मैं यही कमरा फायनल कर रहा हूँ।

साथ मैं मैंने उसे यह भी कहा- कभी कभी मुझे यहाँ पर आकर मजे दे दिया करें।

सहारा खातून ने हंस कर मुझे हाँ कहा और उसने दरवाजे का रास्ता नापा।

मैं उसकी हिलती हुई बड़ी गांड को ही देख रहा था, उसमें मुझे गोता लगाना था...!

बाद की चुदाइयों में मैंने उससे पूछा था कि तेरे दल्ले बाप का नाम पुलोक दत्ता और तुझ रंडी का नाम सहारा खातून कैसे ?

तो उसने बताया- असल में मेरा नाम समीरा था, मेरा बाप पुलोक दत्ता बहुत बड़ गाण्डू है, उसको गाण्ड मरवाने का शौक है, एक शख्स अनवर से पुलोक गांड मरवाता था और अनवर पुलोक की बीवी, यानि मेरी मम्मी को भी चोदता था। एक बार अनवर ने पुलोक की सहमित से मुझे चोद दिया तो मेरे शोर मचाने पर अनवर ने मेरा धर्म और नाम बदलवा कर मुझसे शादी कर थी लेकिन कुछ दिनों बाद तीन बार तलाक तलाक तलाक बोल कर मुझे छोड़ दिया था। तब से मेरा नाम सहारा खातून हो गया था।

समाप्त।

Other stories you may be interested in

पूल पार्टी में चूत चोदने को मिली

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम प्रिन्स है.. यह बदला हुआ नाम है। मेरी उम्र 23 साल है। मैं जयपुर में एमबीए की पढ़ाई कर रहा हूँ। मेरी हाइट 5'10" है.. मुझे स्पोर्ट्स और जिम में काफ़ी इंटरेस्ट है.. इसी कारण मैंने [...] Full Story >>>

किस्मत से मिला कुंवारी चूत का मजा -1

नमस्ते दोस्तो, उम्मीद है आपने इस साइट पर पोस्ट हुई हर कहानी का आनन्द लिया होगा। इसके लिए मैं आप सबका आभार व्यक्त करता हूँ और उन सभी लेखकों का भी शुक्रिया करता हूँ। तो दोस्तो, मैं आर्यन दोबारा हाजिर [...]

Full Story >>>

प्रीति चूत चुदाने को मचल रही थी

नमस्ते दोस्तो, मेरा नाम बबलू है, मैं एक प्रसिद्ध कंपनी में कार्यरत हूँ। मेरा काम के सिलसिले में घर से बाहर ज्यादा समय रहता है और घर पर कम.. मैं अक्सर सफ़र में ही रहता हूँ.. और ज्यादातर सफ़र बस [...] Full Story >>>

वासना की न खत्म होती आग -5

अब तक आपने पढ़ा.. मुझे उनके लिंग का स्पर्श योनि पर बहुत सुखद लग रहा था। वो घुटनों के बल मेरी टाँगों के बीच बैठ गए, फिर लिंग को हाथ से पकड़ कर मेरी योनि की दरार के बीच ऊपर-नीचे [...]
Full Story >>>

भाई ने मेरी चूत चोद कर मेरी अन्तर्वासना जगा दी -5

हाय, मैं ऋतु.. अन्तर्वासना पर मैं अपनी चूत की अनेक चुदाईयों के बारे में बताने जा रही हूँ.. मज़ा लीजिएगा। अब तक आपने जाना.. सुधा ने मेरे पास आकर मेरी पीठ थपथपाई और बोली- वाह.. ऋतु तू तो बहुत आगे [...]

Full Story >>>



Other sites in IPE

Indian Sex Stories



The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

IndianPornVideos.com



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

Savita Bhabhi Movie



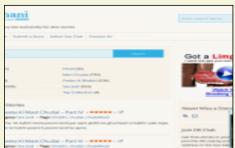
Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Meri Sex Story



में हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Sex Chat Stories



Daily updated audio sex stories.